सम्पादकीय

विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित मासिक शोधपत्रिका का वर्ष 2024 का षष्ठम-सप्तम अंक आपके करकमलों में अर्पित करते हुए अत्यधिक हर्ष का अनुभव हो रहा है। भारतीय धर्म-संस्कृति के शोधलेखों का यह संग्रह विद्वानों द्वारा सराहा जा रहा है। विद्वानों द्वारा नियमित भेजे जा रहे शोधलेख हमारा मनोबल बढ़ा रहे हैं व पत्रिका के महत्त्व को भी आलोकित कर रहे हैं। पूर्व अंकों में सभी उच्चस्तरीय विद्वानों के लेख प्रकाशित हुए हैं।

यह अंक गुरुपूर्णिमा विशेषांक है। इस अंक में गुरु महिमा के साथ गुरुओं के गौरव का वर्णन किया है।

प्राचीन पाण्डुलिपियों से वेद मंत्रों में गुरु आराधना को प्रथम लेख के रूप से लिया है। तत्पश्चात् भी अग्रदेवाचार्य जी महाराज रैवासा के गौरव का वर्णन किया गया है। इसी क्रम में ऊँ श्रीदेवपुरीजी महादेव का परिचय दिया गया है। पण्डित श्री सरयू प्रसाद द्विवेदी जी की सारस्वत साधना का प्रकाशन आध्यात्मिक अनुरागियों को नवीन दिशा प्रदान करेगा, इसी कड़ी को जोड़ती त्रिवेणी धाम की सन्त परम्परा गुरु महिमा को बढ़ाती है।

पण्डित सुरजनदास स्वामी जी, श्री वीरेश्वर शास्त्री जी एवं आदरणीय देवर्षि कलानाथ शास्त्री जी का आदर्श व्यक्तित्व सुधीजनों के लिए पाथेय बनेगा। इसी शुभकामनाओं के साथ गुरुपूर्णिमा का यह अंक समर्पित करते हैं।

आशा है, सुधी पाठक इन्हें रुचिपूर्वक हृदयंगम करने में अपना उत्साह पूर्ववत् बनाये रखेंगे।

शुभकामनाओं सहित....

-डॉ. सुरेन्द्र कुमार शर्मा